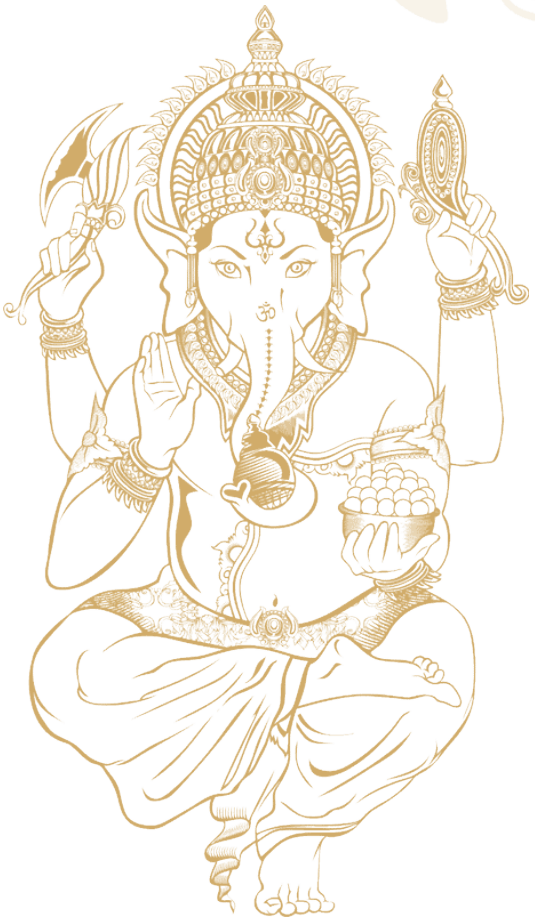

Shivangi

06 Sep 1996

06:01 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121588502

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**5-06/09/1996**
दिन	गुरु-शुक्रवार
जन्म समय	**06:01:00 घंटे**
इष्ट	59:59:26 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	05:39:52 घंटे
वेलान्तर	00:01:20 घंटे
साम्पातिक काल	04:41:24 घंटे
सूर्योदय	06:01:13 घंटे
सूर्यास्त	18:37:47 घंटे
दिनमान	12:36:34 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	19:53:12 सिंह
लग्न के अंश	18:54:58 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**मृगशिरा - 4**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	सिद्धि
करण	गर
गण	देव
योनि	सर्प
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	पूर्व
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	की-कीर्ति
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	18:54:58	315:54:12	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	---
सूर्य			सिंह	19:53:12	00:58:12	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	मूलत्रिकोण
चंद्र			मिथु	03:41:09	12:05:47	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
मंगल			कर्क	03:47:17	00:37:54	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	नीच राशि
बुध	व	अ	कन्या	09:30:59	00:10:59	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	उच्च राशि
गुरु			धनु	14:01:03	00:00:28	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	स्वराशि
शुक्र			कर्क	04:55:24	01:03:32	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	शत्रु राशि
शनि	व		मीन	11:42:51	00:04:09	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	चंद्र	सम राशि
राहु	व		कन्या	14:29:21	00:01:52	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	14:29:21	00:01:52	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	मूलत्रिकोण
हर्ष	व		मक	07:17:27	00:01:33	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
नेप	व		मक	01:24:46	00:00:56	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
प्लूटो			वृश्चि	06:43:06	00:00:53	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	बुध	---
दशम भाव			वृष	18:03:05	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:42

लग्न-चलित

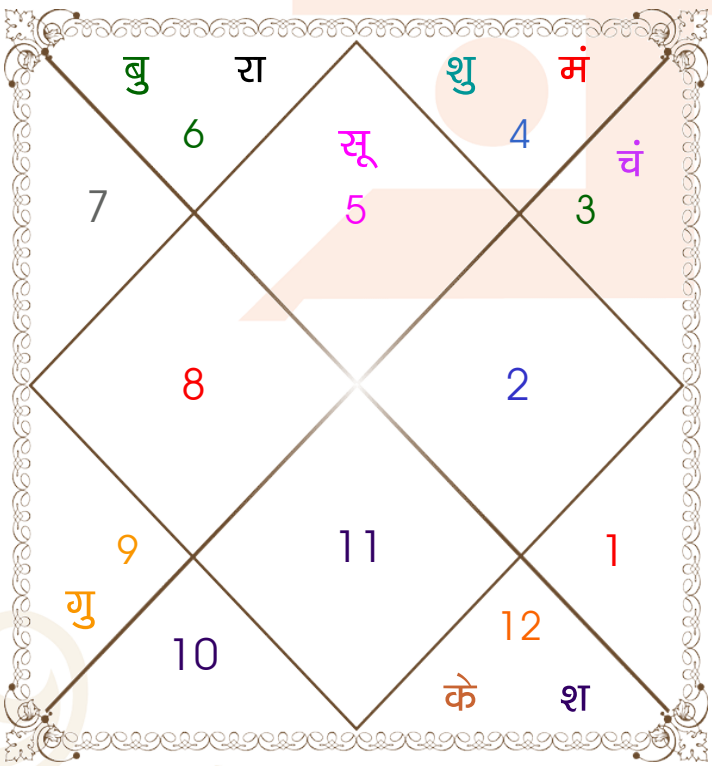

चन्द्र कुंडली

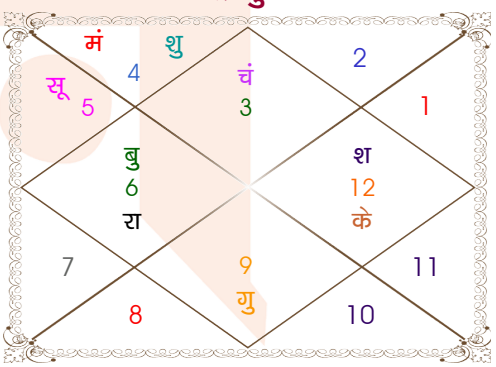

नवमांश कुंडली

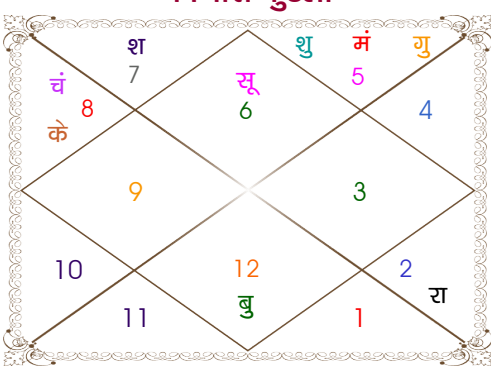

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 1 वर्ष 6 मास 23 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
06/09/1996		31/03/1998		31/03/2016		31/03/2032		01/04/2051	
31/03/1998		31/03/2016		31/03/2032		01/04/2051		31/03/2068	
	00/00/0000	राहु	12/12/2000	गुरु	19/05/2018	शनि	04/04/2035	बुध	27/08/2053
	00/00/0000	गुरु	07/05/2003	शनि	29/11/2020	बुध	12/12/2037	केतु	24/08/2054
	00/00/0000	शनि	13/03/2006	बुध	07/03/2023	केतु	21/01/2039	शुक्र	24/06/2057
	00/00/0000	बुध	29/09/2008	केतु	11/02/2024	शुक्र	22/03/2042	सूर्य	01/05/2058
	00/00/0000	केतु	18/10/2009	शुक्र	12/10/2026	सूर्य	04/03/2043	चंद्र	30/09/2059
	06/09/1996	शुक्र	18/10/2012	सूर्य	31/07/2027	चंद्र	03/10/2044	मंगल	26/09/2060
शुक्र	24/04/1997	सूर्य	11/09/2013	चंद्र	29/11/2028	मंगल	11/11/2045	राहु	16/04/2063
सूर्य	30/08/1997	चंद्र	13/03/2015	मंगल	05/11/2029	राहु	17/09/2048	गुरु	22/07/2065
चंद्र	31/03/1998	मंगल	31/03/2016	राहु	31/03/2032	गुरु	01/04/2051	शनि	31/03/2068

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
31/03/2068		01/04/2075		01/04/2095		01/04/2101		02/04/2111	
01/04/2075		01/04/2095		01/04/2101		02/04/2111		00/00/0000	
केतु	27/08/2068	शुक्र	31/07/2078	सूर्य	19/07/2095	चंद्र	30/01/2102	मंगल	29/08/2111
शुक्र	27/10/2069	सूर्य	31/07/2079	चंद्र	18/01/2096	मंगल	01/09/2102	राहु	15/09/2112
सूर्य	04/03/2070	चंद्र	31/03/2081	मंगल	25/05/2096	राहु	01/03/2104	गुरु	22/08/2113
चंद्र	03/10/2070	मंगल	31/05/2082	राहु	18/04/2097	गुरु	01/07/2105	शनि	01/10/2114
मंगल	01/03/2071	राहु	31/05/2085	गुरु	05/02/2098	शनि	31/01/2107	बुध	28/09/2115
राहु	19/03/2072	गुरु	30/01/2088	शनि	18/01/2099	बुध	01/07/2108	केतु	24/02/2116
गुरु	23/02/2073	शनि	01/04/2091	बुध	24/11/2099	केतु	30/01/2109	शुक्र	07/09/2116
शनि	03/04/2074	बुध	29/01/2094	केतु	01/04/2100	शुक्र	01/10/2110		00/00/0000
बुध	01/04/2075	केतु	01/04/2095	शुक्र	01/04/2101	सूर्य	02/04/2111		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 1 वर्ष 6 मा 27 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। साथ ही कन्या नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण द्वारा एक शुभ आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप भारत स्थित शहरी क्षेत्र के निवासियों के समान जो कार्य काल बसों की प्रतीक्षा और दौड़-धूप कर अपने कार्य पर पहुंचते है। उस प्रकार की दिक्कतें का सामना आपको नहीं करना होगा। अर्थात् जन्म के शुभ लक्षण से यह प्रतीत हो रहा है कि आपको जन्म से ही वाहन सुख प्राप्त होगा।

आपको कही भी यात्रा क्रम में सार्वजनिक यातायात के लिए गाड़ी बस ट्रान्सपोर्ट आदि प्रकार की सुविधा हेतु बिना संघर्ष के ही आपकी यात्रा के पथ प्रशस्त होंगे। कही भी बस आदि से यात्रा हेतु कतार में लगकर अपने समय का अपव्यय नहीं करना पड़ेगा। आपको अपनी यात्रा हेतु अपने पास कार-बस आदि उपलब्ध होने का लाभ एवं आनन्द प्राप्त करने का वरदान प्राप्त है। वास्तविकता तो यह है कि आपको अपने स्वयं के पास वाहनों की सुविधा युक्त समर्थ होने का सौभाग्य प्राप्त है।

आपका जीवन उत्तम प्रकार के वाहन सुखों से युक्त, आरामदायक एवं आनन्द से परिपूर्ण रहेगा। आप अपार धन, सम्पति से युक्त कुशाग्र बुद्धि की विद्वान एवं अनेक कलाओं में प्रवीण होंगी। आप सर्वोत्तम प्रकार से अपना जीवन व्यतीत करेंगी। आप निम्नरूपेण उच्च श्रेणी की सेवा एवं कर्म से संबंधित रहेंगी। जो आपके लिए उपयुक्त एवं लाभप्रद प्रमाणित होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सतत कठिन श्रम करने वाली, उपव्यवसाय की खोज में लगे रहने वाली, दृढ़निश्चयी एवं प्रभावशाली प्राणी होंगी। आप सदा-सर्वदा कार्य विन्दु को निर्धारित समय से पूर्व संपन्न करने के पहले ही अन्य कार्य को हस्तगत करने की इच्छुक रहेंगी तथा आप निश्चित रूप से अपने अनुबंध में सफलता प्राप्त करेंगी।

आप भ्रमणप्रिय हैं। आप अपना अधिक समय घर से बाहर अन्यत्र बिताएंगी। किसी प्रकार विवश होकर कुछ समय अपने प्रिय परिवार के लिए बचाकर उनके साथ बिताएंगी। आप अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य से सभी कार्यों को प्रसन्नतापूर्वक संपन्न कर लेंगी।

आपकी मित्र मण्डली बड़ी होगी। आपके मित्र आपको सहानुभूति पूर्वक मान-प्रतिष्ठा प्रदान करेंगे। आप अपने रास्ते से चलेंगी-वे मित्रगण आपका सहयोग करेंगे। मित्रगण आपका उच्चस्तरीय मूल्यांकन कर अपनी दिशा मोड़कर आपकी पंक्ति में खड़े होंगे अर्थात् आपको साथ देंगे।

आप मात्र अपने कर्म व्यवसाय से ही नहीं अच्छे लाभ प्राप्त करेंगी। आप तो सदैव भाग्यशाली समय अर्थात् मौके की तलाश में रहकर अपने भाग्य को दाव पर लगाकर लाभ प्राप्त करेंगी। इसका यह अर्थ नहीं कि आप सदैव ही जुआ खेलकर अपनी भाग्योन्नति हेतु प्रयास करेंगी। परन्तु आप यदा-कदा पाशे फेंक कर अपने इस कर्म को लाभदायक प्रमाणित कर सकती है।

आपकी महत्वपूर्ण आय प्रर्याप्त है, इसमें किसी भी प्रकार की दुर्भावना नहीं है। आप बहुत धन संचय करने में समर्थ नहीं हैं क्योंकि आप जन सामान्य की नजरों में यह प्रदर्शित करेंगी कि आप अपने परिवार को एक धनाढ्य महिला की तरह भरण पोषण करती हैं। आप सदैव अपनी आय का कुछ अंश अपने घर में व्यय करेंगी।

यद्यपि आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। तथापि बाद में कतिपय रोगादि के प्रति आपको थोड़ी सतर्कता बरतना आवश्यक है। क्योंकि आपका कार्यक्रम व्यस्ततम रहता है तथा लम्बे समय तक कार्यरत रहेंगी।

आपकी यह कार्यतंत्रियाँ अधिक समय तक कार्यरत रहने के लिए सक्षम नहीं भी हो सकती है। फलस्वरूप आपके हृदय पर एवं रीढ़ की हड्डियों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। अतएव आपको इस व्यस्ततम कार्यक्रम का प्रतिकार कर शान्तिपूर्वक विश्राम ग्रहण करना चाहिए।

आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं जीवन पर अनुकूल प्रभाव हेतु पूर्णिमा का व्रत रखना अच्छा होगा। इससे आपको विभिन्न प्रकार का अति सहयोग प्राप्त होगा।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

परन्तु आपको सोमवार एवं शनिवार के प्रति सावधानी बरतनी चाहिए क्योंकि ये दोनों दिन आपके लिए अनुकूल नहीं है।

आपके लिए अनुकूल एवं प्रदोल्लित करने वाले अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। रंग नीला, सफेद एवं काला रंग आपके लिए प्रतिकूल रंग है।